



Nishant

30 Oct 1981

12:50 AM

Pathankot

Model: web-freekundliweb

Order No: 121868703

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 29-30/10/1981
दिन _____: गुरु-शुक्रवार
जन्म समय _____: 00:50:00 घंटे
इष्ट _____: 45:21:04 घटी
स्थान _____: Pathankot
राज्य _____: Punjab
देश _____: India

अक्षांश _____: 32:16:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:27:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 00:22:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:16:17 घंटे
साम्पातिक काल _____: 02:55:00 घंटे
सूर्योदय _____: 06:41:34 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:39:56 घंटे
दिनमान _____: 10:58:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 12:41:09 तुला
लग्न के अंश _____: 27:11:44 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: वृश्चिक - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अनुराधा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: सौभाग्य
करण _____: कौलव
गण _____: देव
योनि _____: मृग
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: कीटक
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

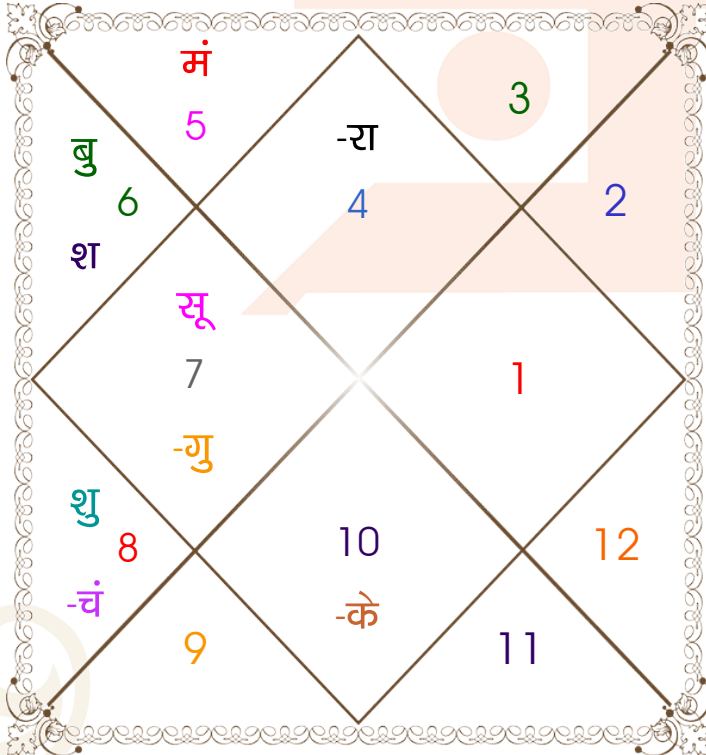
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:11:44	301:36:31	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			तुला	12:41:09	00:59:59	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	04:11:29	11:51:52	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल			सिंह	11:27:19	00:34:23	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध			कन्या	25:11:22	00:25:43	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु			तुला	00:31:58	00:12:54	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	29:19:14	01:04:05	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			कन्या	22:05:51	00:07:04	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	02:14:38	00:12:06	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	02:14:38	00:12:06	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	05:20:04	00:03:30	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
नेप			वृश्चि	29:19:25	00:01:41	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			तुला	01:09:13	00:02:22	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			मेष	22:36:55	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

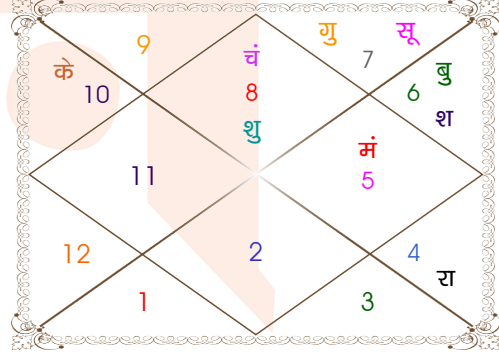
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:54

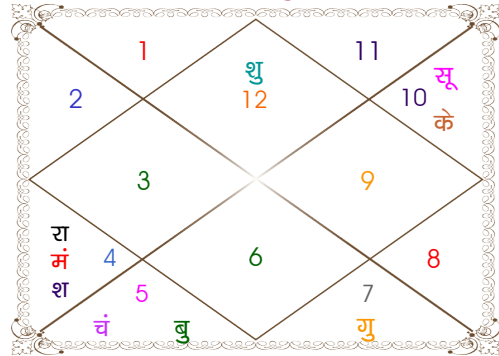
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 9 मास 9 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
30/10/1981	10/08/1999	09/08/2016	10/08/2023	10/08/2043
10/08/1999	09/08/2016	10/08/2023	10/08/2043	09/08/2049
शनि 13/08/1983	बुध 05/01/2002	केतु 05/01/2017	शुक्र 09/12/2026	सूर्य 27/11/2043
बुध 22/04/1986	केतु 03/01/2003	शुक्र 07/03/2018	सूर्य 09/12/2027	चंद्र 28/05/2044
केतु 01/06/1987	शुक्र 02/11/2005	सूर्य 13/07/2018	चंद्र 09/08/2029	मंगल 03/10/2044
शुक्र 31/07/1990	सूर्य 09/09/2006	चंद्र 11/02/2019	मंगल 09/10/2030	राहु 27/08/2045
सूर्य 13/07/1991	चंद्र 08/02/2008	मंगल 10/07/2019	राहु 09/10/2033	गुरु 16/06/2046
चंद्र 11/02/1993	मंगल 05/02/2009	राहु 28/07/2020	गुरु 09/06/2036	शनि 29/05/2047
मंगल 22/03/1994	राहु 25/08/2011	गुरु 04/07/2021	शनि 10/08/2039	बुध 03/04/2048
राहु 26/01/1997	गुरु 30/11/2013	शनि 13/08/2022	बुध 10/06/2042	केतु 09/08/2048
गुरु 10/08/1999	शनि 09/08/2016	बुध 10/08/2023	केतु 10/08/2043	शुक्र 09/08/2049

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
09/08/2049	10/08/2059	09/08/2066	09/08/2084	10/08/2100
10/08/2059	09/08/2066	09/08/2084	10/08/2100	00/00/0000
चंद्र 10/06/2050	मंगल 06/01/2060	राहु 22/04/2069	गुरु 27/09/2086	शनि 31/10/2101
मंगल 09/01/2051	राहु 23/01/2061	गुरु 15/09/2071	शनि 09/04/2089	00/00/0000
राहु 10/07/2052	गुरु 30/12/2061	शनि 22/07/2074	बुध 16/07/2091	00/00/0000
गुरु 09/11/2053	शनि 08/02/2063	बुध 08/02/2077	केतु 21/06/2092	00/00/0000
शनि 10/06/2055	बुध 05/02/2064	केतु 26/02/2078	शुक्र 20/02/2095	00/00/0000
बुध 08/11/2056	केतु 03/07/2064	शुक्र 26/02/2081	सूर्य 09/12/2095	00/00/0000
केतु 09/06/2057	शुक्र 03/09/2065	सूर्य 21/01/2082	चंद्र 09/04/2097	00/00/0000
शुक्र 08/02/2059	सूर्य 08/01/2066	चंद्र 22/07/2083	मंगल 16/03/2098	00/00/0000
सूर्य 10/08/2059	चंद्र 09/08/2066	मंगल 09/08/2084	राहु 10/08/2100	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते हैं। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरुचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रुचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेंगे यह आप ही जानते हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्या के ज्ञाता हैं तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृत्ति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरुचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करें। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर अथवा अवरुद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर हैं। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योंकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।

